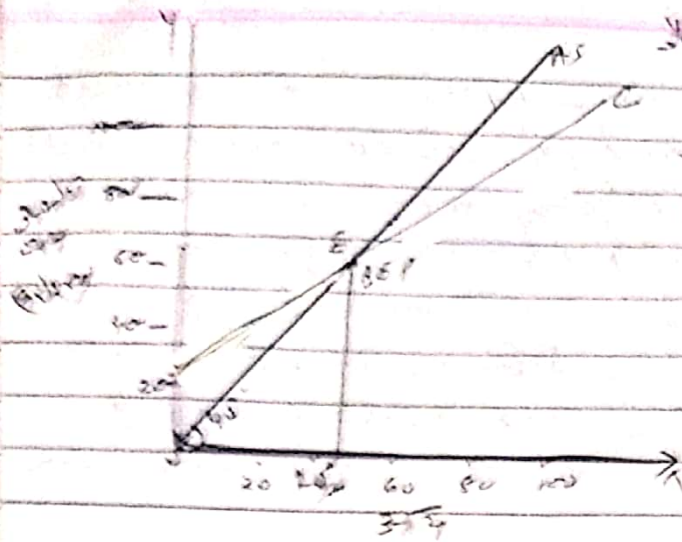




जैसे ही आय बढ़ती है उपभोग कम हो
 ठीक उसी अनुपात में बढ़ता है जैसे
 जब आय, 10 करोड़, खर्च है तो उपभोग भी
 10 करोड़, खर्च है। यदि आय बढ़कर
 20 करोड़ खर्च हो जाती है तो उपभोग
 कम भी बढ़कर 20 करोड़ खर्च हो
 जाता है। अतः यह रेखा 45 डिग्री
 की कुल आय तथा कुल उपभोग
 का समानता समझा कर तैयार
 की गई एक कार्यात्मक रेखा है।

एक रेखा कुल उपभोग वक्र है जो निम्न स्तरों
 पर कार्यात्मक उपभोग को समझा करती है। उपभोग वक्र मूल बिन्दु
 0 से आरम्भ होती है। इसका कारण यह है कि जब आय शून्य
 होती है तो भी उपभोग 20 करोड़ कर होता है। एक व्यक्ति के जीवन
 नाम से ऊपर की तरह है। इससे स्पष्ट होता है कि आय के बढ़ने के
 साथ साथ उपभोग भी बढ़ता जाता है। बिन्दु E पर आय एवं उपभोग
 बराबर है क्योंकि इसी बिन्दु पर उपभोग वक्र EC उल्टा चलाकर AS
 के समान है। उसे साथ बिन्दु भी कहा जाता है। E बिन्दु के बाईं ओर
 उपभोग वक्र EC AS के ऊपर है। इससे स्पष्ट होता है कि उपभोग कम
 आय से अधिक है। इससे स्पष्ट होता है कि उपभोग कम आय से कम है
 और न्यूनतम धन लाभ हो बिन्दु के तब ही उपभोग कम हो सकता है कि
 आय/संयोजक के उपभोग के बीच निम्नलिखित सम्बन्ध पाया जाता है।

① आय में होने वाली वृद्धि के साथ साथ उपभोग भी
 बढ़ती है।

② संयोजक रूप से आय शून्य हो सकती है परन्तु उपभोग सदैव
 धनात्मक होता है।

③ आय के अनिश्चित स्तर के पर्याप्त उपभोग में होने वाली वृद्धि आय
 में होने वाली वृद्धि से कम होने लगती है। इसका कारण यह है कि आय
 का उच्च स्तर पर लाने के लिए आय के कुछ भाग को व्यय करने
 लगते हैं। वृद्धि के अतिरिक्त यह उपभोग के मार्गवैज्ञानिक नियम का
 फल होता है।

विश्लेषण — ① मार्गवैज्ञानिक कारण — इसके अनेक तत्वों
 जैसे जड़ता, रुचि, जागरूकता आदि का प्रभाव पड़ता है। अतः मार्ग में
 ये तत्व स्थिर रहते हैं इसलिए अतः मार्ग में उपभोग प्रवृत्ति स्थिर रहती है।

② सामान्य उपभोग प्रवृत्ति — निम्न आय वर्ग के उपभोग प्रवृत्ति उच्च
 आय वर्ग से अधिक होती है। इसका कारण यह है कि उच्च आय वर्ग

The first thing I noticed when I stepped
 out of the car was the smell of the sea.
 It was a salty, fresh scent that I had never
 experienced before. The sun was shining
 brightly, and the waves were crashing
 against the shore. I felt a sense of
 freedom and adventure. I had come to
 the beach, and I was ready to enjoy it.
 The sand was soft and warm under my
 feet. I took a deep breath and felt
 the ocean breeze. It was a perfect day
 to be at the beach. I had found what I
 needed.